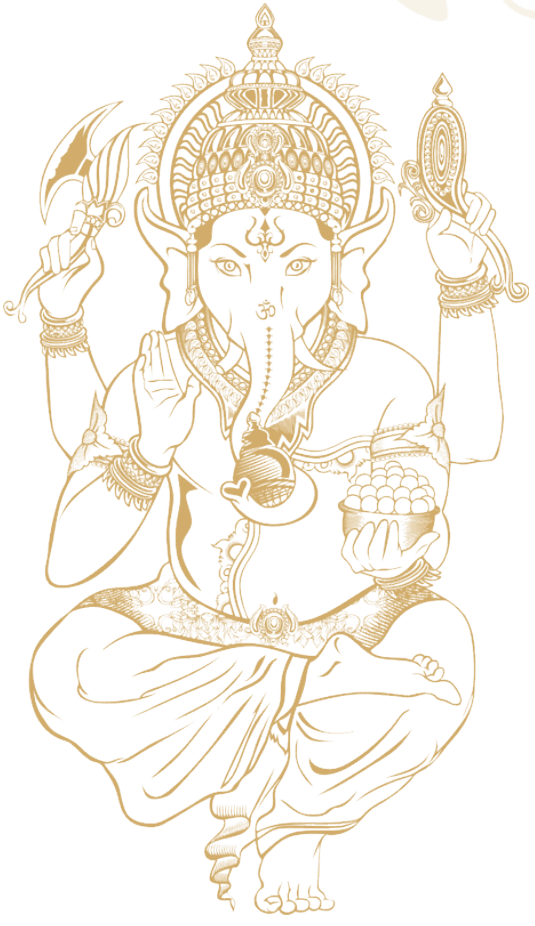

Upinder Singh Katoch

05 Jun 1972

05:50 AM

Baijnath

Model: web-freekundliweb

Order No: 121331203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/06/1972**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**05:50:00 घंटे**
इष्ट	01:21:39 घटी
स्थान	**Baijnath**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	32:02:00 उत्तर
रेखांश	76:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:26:40 घंटे
वेलान्तर	00:01:36 घंटे
साम्पातिक काल	22:20:46 घंटे
सूर्योदय	05:17:20 घंटे
सूर्यास्त	19:26:30 घंटे
दिनमान	14:09:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	20:57:52 वृष
लग्न के अंश	28:00:26 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेनजित
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	28:00:26	347:57:54	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			वृष	20:57:52	00:57:26	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	22:32:37	13:43:12	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	21:30:24	00:38:11	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
बुध		अ	वृष	21:07:08	02:12:09	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		धनु	12:23:30	00:06:37	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	स्वराशि
शुक्र	व		मिथु	09:41:39	00:21:06	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि		अ	वृष	17:05:15	00:07:47	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मक	03:20:43	00:00:08	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	03:20:43	00:00:08	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		कन्या	20:50:20	00:00:52	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		वृश्चि	10:07:00	00:01:35	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
प्लूटो	व		कन्या	05:50:28	00:00:08	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	09:47:17	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:28:33

लग्न-चलित

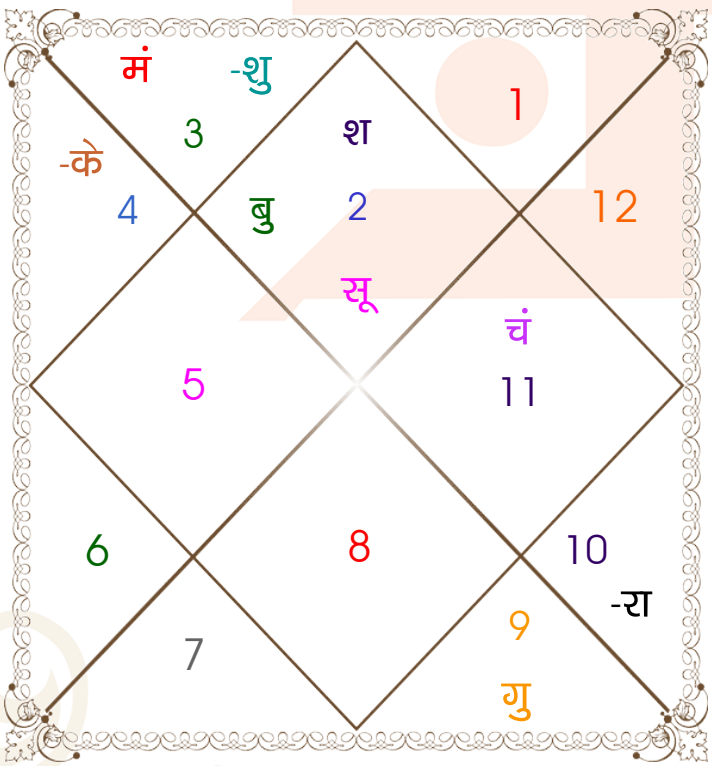

चन्द्र कुंडली

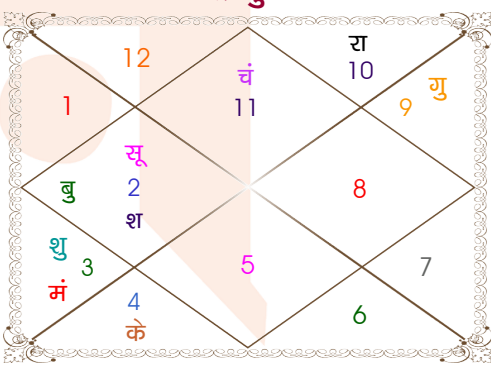

नवमांश कुंडली

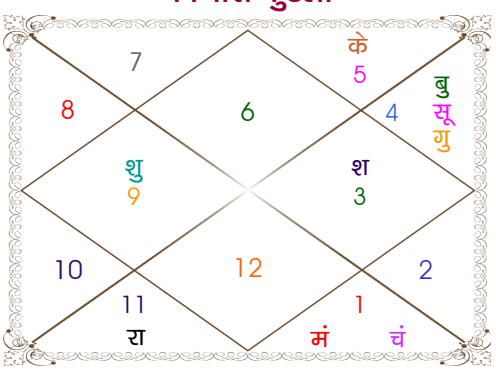

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 11 मास 11 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/06/1972		17/05/1985		17/05/2004		17/05/2021		17/05/2028	
17/05/1985		17/05/2004		17/05/2021		17/05/2028		17/05/2048	
	05/06/1972	शनि	20/05/1988	बुध	13/10/2006	केतु	13/10/2021	शुक्र	16/09/2031
शनि	15/01/1974	बुध	28/01/1991	केतु	11/10/2007	शुक्र	13/12/2022	सूर्य	15/09/2032
बुध	22/04/1976	केतु	08/03/1992	शुक्र	10/08/2010	सूर्य	20/04/2023	चंद्र	17/05/2034
केतु	29/03/1977	शुक्र	08/05/1995	सूर्य	17/06/2011	चंद्र	19/11/2023	मंगल	17/07/2035
शुक्र	28/11/1979	सूर्य	19/04/1996	चंद्र	15/11/2012	मंगल	16/04/2024	राहु	17/07/2038
सूर्य	15/09/1980	चंद्र	19/11/1997	मंगल	13/11/2013	राहु	05/05/2025	गुरु	17/03/2041
चंद्र	15/01/1982	मंगल	28/12/1998	राहु	01/06/2016	गुरु	11/04/2026	शनि	17/05/2044
मंगल	22/12/1982	राहु	03/11/2001	गुरु	07/09/2018	शनि	20/05/2027	बुध	18/03/2047
राहु	17/05/1985	गुरु	17/05/2004	शनि	17/05/2021	बुध	17/05/2028	केतु	17/05/2048

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
17/05/2048		17/05/2054		17/05/2064		17/05/2071		17/05/2089	
17/05/2054		17/05/2064		17/05/2071		17/05/2089		00/00/0000	
सूर्य	03/09/2048	चंद्र	18/03/2055	मंगल	13/10/2064	राहु	28/01/2074	गुरु	05/07/2091
चंद्र	05/03/2049	मंगल	17/10/2055	राहु	31/10/2065	गुरु	22/06/2076	शनि	05/06/2092
मंगल	11/07/2049	राहु	16/04/2057	गुरु	07/10/2066	शनि	29/04/2079		00/00/0000
राहु	04/06/2050	गुरु	16/08/2058	शनि	16/11/2067	बुध	16/11/2081		00/00/0000
गुरु	24/03/2051	शनि	17/03/2060	बुध	12/11/2068	केतु	04/12/2082		00/00/0000
शनि	05/03/2052	बुध	16/08/2061	केतु	10/04/2069	शुक्र	04/12/2085		00/00/0000
बुध	09/01/2053	केतु	17/03/2062	शुक्र	11/06/2070	सूर्य	29/10/2086		00/00/0000
केतु	17/05/2053	शुक्र	16/11/2063	सूर्य	16/10/2070	चंद्र	28/04/2088		00/00/0000
शुक्र	17/05/2054	सूर्य	17/05/2064	चंद्र	17/05/2071	मंगल	17/05/2089		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 10 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।